



कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के सरकारी आवास पर इन दिनों रोजाना कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सचिन पायलट ने उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका है और अगले 10-15 दिनों में कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है, ऐसे में विधानसभा चुनाव में टिकट चाहने वाले उम्मीदवार पायलट से मिलकर अपना बायोडाटा सौंप रहे हैं। पायलट के समर्थकों में भारी जोश व उत्साह देखा जा रहा है।

मेयर मुनेश गुर्जर के दोबारा निलम्बन पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा

मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को पुनः निलंबित करने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने कहा कि उनकी ओर से मामले में कैविएट लगाई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में जवाब पेश करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी।

याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा

■ हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने पहले 5 अगस्त को निलम्बित किया था और उन पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था।

■ चार अगस्त को मेयर के पति सुशील गुर्जर की, नगर निगम के पट्टे जारी करने के एवज में रिश्तवत मांगने के मामले में गिरफ्तारी हुई थी, राज्य सरकार ने इसमें मेयर मुनेश गुर्जर को भी दोषी माना था।

■ 23 अगस्त को हाई कोर्ट ने मेयर का निलम्बन रद्द कर दिया था, पर राज्य सरकार ने 22 सितम्बर को पुनः मेयर मुनेश गुर्जर को निलम्बित कर दिया।

39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे, जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश

की क्रियावित्ति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर मुनेश गुर्जर को हैरिटेज निगम के मेयर पद से निलंबित कर दिया था। निलंबन आदेश

में कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्तवत मांगने से जुड़े मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल हैं और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी हैं। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने 5 अगस्त को मेयर मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुड़े इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पार्टी कार्यकर्ताओं की एक-एक मीटिंग में उन्होंने कहा बताया, “हम बड़े नेता हो गए हैं, क्या हम अब वोटों की भीख मांगने जाएंगे।”

मीडिया रिपोर्ट्स और कई चुनाव पूर्व सर्वे बताते हैं कि मध्य प्रदेश में भाजपा को भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस अगर बताई जा रही है। राजस्थान में भी कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है।

भाजपा की केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतारने की रणनीति संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़े जाएंगे, जिसमें प्रदेश के पार्टी नेताओं की सीमित भूमिका होगी। भाजपा सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व की मौजूदगी से चुनावों में अप्रत्याशित एवं नए घटक भी शामिल होंगे, जिससे पार्टी को लाभ होगा।

गंगानगर-हनुमानगढ़ में एन.आई.ए. ने 3 जगहों पर दी दबिश

हनुमानगढ़/गंगानगर, 27 सितम्बर (कास)। कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क के तार सूरतगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की आशंका को लेकर

राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार तड़के दबिश दी, जिसमें कैनडा से स्थानीय लोगों को हुई फंडिंग के बारे में चौकाने वाली जानकारी सामने आई है।

सूरतगढ़ क्षेत्र दुकराणा ग्राम पंचायत के चाड़सर गांव में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी समर्थकों से संपर्क होने के साथ-साथ विदेश से पैसे मंगवाने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी/एन.आई.ए.) की टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान एन.आई.ए. की टीम के साथ राजस्थान व गजसिंहपुर का पुलिस जाचा भी था। बुधवार तड़के 5 बजे दुकराणा पंचायत के चाड़सर गांव में दबिश दी गई। दोपहर बाह्र बजे तक चली इस पूछताछ की कार्रवाई के

‘केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा किसकी क्या भूमिका होगी, आप सिर्फ कमल के फूल को ध्यान में रखिए’

अमित शाह और जे.पी. नड्डा ने प्रदेश के भाजपा नेताओं को स्पष्ट हिदायत दी

जयपुर, 17 सितम्बर (का.सं.)।

विधानसभा चुनाव के सम्बंध में चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने होटल ललित में प्रदेश के नेताओं की बैठक ली। कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक में साफ कहा कि- चुनाव सिर पर हैं और सभी को आपसी समन्वय से आगे बढ़ना है। इस दौरान प्रत्याशियों की पहली सूची पर भी चर्चा हुई। टिकट वितरण के बाद अस्तुष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा बग़ावत नहीं हो, इस पर भी दिशा-निर्देश दिए गए। करीब 2.15 घंटे बाद सतीश पुनिया और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ रवाना हो गए पर मीटिंग्स का दौर चलता रहा।

सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण को लेकर तैली बातचीत चली। शाह, नड्डा व संतोष ने कुछ नेताओं से अलग-अलग बातचीत भी की, जो आधी रात तक चली। सूची में शामिल नहीं होने के बावजूद सांसद दिया कुमारी भी होटल पहुँची लेकिन होटल के अंदर करीब 10 मिनट रही और वापस रवाना हो गई। उनका होटल में पहुँचना भी चर्चा का विषय रहा। बैठक में कोर कमेटी के सदस्य सांसद कनकमल कटारा को शामिल नहीं करना भी चर्चा का विषय रहा, वे एस्टी वर्ग का प्रतिनिधि करते हैं।

बैठकों में चुनाव के आगामी प्लान

चन्द्रबाबू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव खन्ना के साथ बैठें हुये थे, ने इस याचिका की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया, तो टी.डी.पी. नेता की ओर प्रस्तुत वरिष्ठ एडवोकेट सिद्धार्थ लुथरा तुरंत ही मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष चले गये।

इस बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जे.बी. पाटीदाला तथा मनोज मिश्रा भी शामिल हैं, ने कहा, “हम इसे किसी समुचित बैंच द्वारा सुनवाई के लिये मंगलवार को सूचीबद्ध कर देंगे।” अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह बैंच अभियोग पक्ष की दलील, जिसमें टी.डी.पी. नेता की पुलिस कस्टडी और बढ़ाने की मांग की जा रही है, पर निर्णय लेने से ट्रायल जज को नहीं रोक सकता।

ज्ञातव्य है कि, जब नायडू 2015 में मुख्यमंत्री थे, उस समय रिकल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के पैसे के कथित दुरुपयोग को लेकर, 9 सितम्बर को वे गिरफ्तार कर लिये गये थे। इसके फलस्वरूप राज्य के राजकोष का 371 करोड़ रू. का कथित भुगतान हुआ था। उनकी जूडिशियल रिमांड ट्रायल कोर्ट ने 5 अक्टूबर के लिये बढ़ा दी है।

कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क से तार जुड़े होने की आशंका में एन.आई.ए. ने यह कार्यवाही की

हनुमानगढ़/गंगानगर, 27 सितम्बर (कास)। कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क के तार सूरतगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की आशंका को लेकर

राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार तड़के दबिश दी, जिसमें कैनडा से स्थानीय लोगों को हुई फंडिंग के बारे में चौकाने वाली जानकारी सामने आई है।

सूरतगढ़ क्षेत्र दुकराणा ग्राम पंचायत के चाड़सर गांव में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी समर्थकों से संपर्क होने के साथ-साथ विदेश से पैसे मंगवाने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी/एन.आई.ए.) की टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान एन.आई.ए. की टीम के साथ राजस्थान व गजसिंहपुर का पुलिस जाचा भी था। बुधवार तड़के 5 बजे दुकराणा पंचायत के चाड़सर गांव में दबिश दी गई। दोपहर बाह्र बजे तक चली इस पूछताछ की कार्रवाई के

■ सूरतगढ़ क्षेत्र की दुकराणा ग्राम पंचायत में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी सम्पर्क होने और विदेश से पैसे मंगवाने की जानकारी मिली है।

■ संदेह के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ के बाद उनके मोबाइल फोन जब्त किए गए।

दौरान, संबंधित आवास और गांव के सभी रास्तों पर लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

हनुमानगढ़ जिले में भी बुधवार को एन.आई.ए. की टीम ने कुछ जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की। टीम ने कुछ लोगों को संदेह के आधार पर चिन्हित कर उनसे पूछताछ की। टीम ने कुछ

■ शाह और नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भी बैठकों में शामिल हुए। तीनों नेताओं ने विभिन्न नेताओं से अलग-अलग मंत्रणा भी की।

■ रात 8 बजे शुरू हुई बैठकें देर रात तक चलीं।

■ कल सुबह शाह व नड्डा का संघ के नेताओं से मीटिंग का कार्यक्रम है। फिर 11 बजे तक दोनों दिल्ली लौट जाएंगे।

से लेकर भाजपा के प्रत्याशी चयन को लेकर रोडमैप तैयार किया गया है। सभी नेताओं की अपनी व्यक्तिगत छवि को दरिकनार कर केवल कमल के फूल को ध्यान में रखकर मैदान में उतरने की हिदायत दी गई है। जिन बड़े नेताओं, सांसदों को टिकट दिया जाना है, उनके नामों पर, प्रदेश में भाजपा को कांग्रेस और गहलोत सरकार से मिल रही चुनौतियों पर चर्चा हुई। बैठक में चुनावों में संघ की भूमिका, आगामी दिनों में प्रदेश में होने वाली चुनावी गतिविधियां, सभाएं और बूथ स्तर तक पार्टी की व्यूह रचना, भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किए जाने वाले अहम मुद्दों, गहलोत सरकार को घेरने के लिए उठाए जाने वाले मसलों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि सभी नेताओं को संकेत दे दिए गए हैं कि प्रत्याशी चयन में अहम रोल केन्द्रीय नेतृत्व का ही रहेगा। साफ है कि सर्वे रिपोर्ट में आए दावेदारों के नामों में से

ही भाजपा विधानसभावार प्रत्याशी तय करेगी। बैठक के बाद राजस्थान में बड़े नेताओं की भूमिका भी तय होने की चर्चाएं हैं। सभी नेताओं के हालांकि चुनावी जीत के सुझाव लिए गए हैं। जानकारी के अनुसार चुनिंदा बड़े नेताओं से अलग से मंत्रणा कर उनका फीडबैक भी लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार शाह गुरुवार सुबह संघ के नेताओं से भी चुनावी चर्चा कर सकते हैं, जिनमे निंबाराम, प्रकाश चंद, रामप्रसाद शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि चुनाव में संघ के सुझाव लिए जाएंगे। संघ के नेताओं से बैठक कहां होगी, देर रात तक तय नहीं हुआ था। संभवतः होटल में ही उनसे बैठक होगी। बताया जा रहा है कि शाह- व नड्डा संघ के सहकार मार्ग स्थित सेवा भारती कार्यालय भी जा सकते हैं।

महामंत्री बी.एल. संतोष सुबह संघ की शाखा में जा सकते हैं। वहीं शाह व नड्डा का गुरुवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक

बिधूड़ी टोंक में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह निर्णय इन अनुमानों-अटकलों के बीच लिया गया है कि कांग्रेस नेता सचिन पावलट आसन्न विधानसभा चुनावों में टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। टोंक पायलट का गढ़ है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव इस साल नवम्बर में या उससे पहले होने हैं। इस चुनाव में 200 विधायक चुने जायेंगे।

अभी हाल ही में, चन्द्रयान-3 मिशन पर लोकसभा में चल रही चर्चा के दौरान, भाजपा के खिलाफ आपत्तिजनक मुस्लिम विरोधी टिप्पणियों के बाद, बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

उनकी टिप्पणियों को लेकर आक्रोश पैदा

होने के बाद, वे टिप्पणियाँ सदन की कार्यवाही से हटा दी गई थी।

विपक्षी दल कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की थी। कम से कम चार विपक्षी दलों ने स्पीकर से अनुरोध किया है कि यह प्रकरण विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाये।

स्पीकर की लिखे गये अपने पत्र में, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा था, “संसद के इतिहास में, किसी अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के खिलाफ ऐसे शब्द काम में नहीं लिये गये हैं।”

टिप्पणी का रोक रुक पैदा हुये विवाद के बाद, भाजपा ने बिधूड़ी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था।

करीब चार घंटे की पूछताछ के बाद टीम वहां से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार विदेशी फंडिंग मामले में गोल्वाला के तीन एचडीपी निवासी महेन्द्र वर्मा के यहां टीम ने कार्रवाई की। महेन्द्र पलम्बर का काम करता है। पुलिस ने लम्बी पूछताछ के बाद महेन्द्र का मोबाइल जब्त कर लिया। इसके बाद टीम गांव से रवाना हो गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ देखे हुए आ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के कुछ मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।